



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 21, 1986/माघ 1, 1907

No. 37]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 21, 1986/MAGHA 1, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1986

अधिसूचना

सा. का. नि. 48 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) द्वारा 58 की उद्घारा (7) के खंड (क) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना 4. सा. का. नि. 655 (अ), तारीख 12 सितम्बर, 1984 का उन बातों के सिवाय अधि-क्रात करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पट्टी किया गया है या करने से लोप किया गया है, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित कंपनियों को ऐसी कम्पनियों के रूप में विनिर्दिष्ट करते हैं जिन्हें कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 58 के उपबन्ध लागू नहीं होंगे अर्थात् —

ऐसी सभी कंपनियां जो लघु उद्योग एकक हैं और निम्नलिखित शर्तें पूरी करती हैं, अर्थात् —

(क) कम्पनी की समादत्त पूंजी 1 : लाख रुपए से अधिक नहीं हो,

(ख) कम्पनी पचास से अधिक व्यक्तियों से निक्षेप प्रतिगृहीत करती है ;

(ग) निक्षेपों के लिए जनता को आमंत्रित नहीं किया जाता है ; और

(घ) कम्पनी द्वारा प्रतिगृहीत निक्षेपों की रकम 8 लाख रुपए से या उसकी समादत्त पूंजी की रकम से, जो भी कम हो, अधिक नहीं है ;

परन्तु जहां ऐसी कम्पनी ऐसा लघु उद्योग एकक है जिसे अधिसूचना से सा. का. नि. 655 (अ), तारीख 12 सितम्बर, 1984 के उपबन्ध लागू होते हैं, वहां ऐसी कम्पनी, इस अधिसूचना के प्रारम्भ की तारीख से, कोई निक्षेप तब तक प्रतिगृहीत या नवीकृति नहीं करेगी जब तक कि वह इस अधिसूचना की (क), (ख), (ग) और (घ) शर्तें पूरी नहीं करती है।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ :—

(1) “लघु उद्योग एकक” से अभिप्रेत है राज्य सरकार के, यथास्थिति, उद्योग या लघुउद्योग निदेशालय से रजिस्ट्रीकृत कोई औद्योगिक उपक्रम जिसका संयंत्र

और मर्यादों में विनिर्दिष्ट मूल्य में 35 लाख रुपये से अधिक नहीं है,

- 2) निक्षेप का वही अर्थ है जो कम्पनी (निक्षेप प्रति-ग्रहण) नियम, 1975 के नियम 2 के खंड (ख) में है।

[सं. 4/85-सीएल-एचम]

आर. डी. मखोजा, प्रवर मन्त्रि

टिप्पणी—मूल अधिसूचना सं. सा. का. नि. 50 (अ) तारीख 1 फरवरी, 1977 का बाद में निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया —

1. सा. का. नि. 553 (अ) तारीख 23 अक्टूबर, 1979
2. सा. का. नि. 448 (अ) तारीख 23 जुलाई, 1981
3. सा. का. नि. 655 (अ) तारीख 12 सितम्बर, 1984

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 21st January, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 48(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (7) of section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 655(E), dated the 12th September, 1984, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby specifies the following companies as the companies to which the provisions of section 58A of the Companies Act, 1956, shall not apply, namely :—

Companies which are Small Scale Industrial Units and fulfil the following conditions, namely :—

- (a) The paid up capital of the company does not exceed Rs. 12 lakhs;

(b) The company accepts deposits from not more than 50 persons;

(c) There is no Invitation to public for deposits; and

(d) The amount of deposits accepted by the company does not exceed Rs. 8 lakhs or the amount of its paid-up capital, whichever is less :

Provided that where a company is a Small Scale Industrial Unit to which the provisions of the notification No. G.S.R. 655(E), dated the 12th September, 1984 applies, such company shall not, from the date of commencement of this notification, accept or renew any deposits unless it fulfils conditions (a), (b), (c) and (d) of this notification.

Explanation :—For the purpose of this notification,

(i) a “Small Scale Industrial Unit” means any industrial undertaking registered with the Directorate of Industries or Small Scale Industries, as the case may be, of the State Government and in respect of which the investment in plant and machinery is not in excess of 35 lakhs of rupees in value;

(ii) “Deposit” has the same meaning as in clause (b) of rule 2 of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.

[No. 4/85-CL-X]

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

NOTE : The principal notification G.S.R. 50(E) dated 1st February, 1977 has been amended subsequently by the following notifications :—

1. G.S.R. 583(E) dated 23rd October, 1979
2. G.S.R. 448(E) dated 23rd July, 1981
3. G.S.R. 655(E) dated 12th September, 1984.